म्हें भी आवाँगा | By Mukesh Bagda

म्हे भी आवाँगा म्हाने बुला ल्यो थे सरकार
मनडो ना लागे म्हारो सुणल्यो सरकार
म्हे भी आवाँगा म्हाने बुला ल्यो थे सरकार

फागण में जो नहीं बुलाओगा
बोलो कैयां मेल बढ़ाओगा
साथीड़ा की जमघट माचेगी
म्हारा के आंसू ढलकाओगा
इतना भी गैर करो ना म्हाने सरकार
म्हे भी आवाँगा म्हाने बुला ल्यो थे सरकार

श्याम बगीची आलूसिंह की शान
श्याम कुंड के अमृत जल को पान
म्हारा चारो धाम है खाटूधाम
म्हाने बुलाता राहिजो बाबा श्याम
सुपणे में आवे म्हारे थारो दरबार
म्हे भी आवाँगा म्हाने बुला ल्यो थे सरकार

कोई थारी ध्वजा उठावेगो
कोई मेहँदी हाथ रचावेगो
कोई टिकट कटावे खाटू की
कोई पैदल चलकर आवेगो
सुन सुन कर बातां सबकी मैं हाँ लाचार
म्हे भी आवाँगा म्हाने बुला ल्यो थे सरकार

मेले की म्हे कर लेवां त्यारी
छोड़ के मैं सारी दुनियादारी
फागण की लूटां म्हे भी मस्ती
लूट रही जिने या दुनिया सारी
थारे इशारे की है म्हाने दरकार
म्हे भी आवाँगा म्हाने बुला ल्यो थे सरकार

पहल्यां तो थे प्रेम बढ़ायो थो
जीवन में म्हारे रस बरसायो थो
प्रेम समंदर बहुत ही गेहरो थो
अंश बिचारो तैर ना पायो थो
डूबन के तांई छोड्या, के थे सरकार
म्हे भी आवाँगा म्हाने बुला ल्यो थे सरकार

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%ad%e0%a5%80-%e0%a4%86%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%81%e0%a4%97%e0%a4%be-by-mukesh-bagda/